



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 10, 1983/भाद्र 19, 1905

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 10, 1983/BHADRA 19, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)

PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1983

आ० अ० 70.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि निम्न सारणी के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी जिसने सारणी के स्तम्भ 2 में विहित राज्य विधान सभा के लिए उसके नाम के सामने स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुए निर्वाचन में जैसा कि उक्त सारणी के स्तम्भ 5 में दर्शाया गया है, जैसा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित है, अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा विहित समय के अन्दर और रीति से दाखिल करने में असफल रहा है।

और, उक्त अभ्यर्थी ने उसे सम्यक सूचना दिए जाने के बाद भी उक्त असफलता के लिए न तो कोई कारण दिया है और न ही कोई स्तम्भीकरण दिया है और निर्वाचन आयोग का उसके द्वारा दिए गए आवेदनों पर यदि कोई हो तो, विचार करने के बाद, यह समाधान हो गया है कि उसके पास उक्त असफलता के लिए कोई उपयुक्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग घोषणा करता है कि निम्न सारणी के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति संसद के किसी सदन के या राज्य की विधान सभा या विधान परिषद के सदस्य चुने जाने या होने के लिए इस आदेश की तारीख से 3 वर्ष की कालावधि के लिए निरह किया जाता है।

सारणी

क्रम सं०	निर्वाचन का विवरण	सभा निर्वाचन-क्षेत्र की क्रम सं० तथा नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम	निर्रहता के कारण
1	2	3	4	5
1.	आंध्र प्रदेश विधान सभा के लिए जनवरी, 1983 में हुआ साधारण निर्वाचन	128—अटमाकुर	श्री तिरुपालु, नाडु वेडुपति सति-गुन्टा रोड, नैल्लोर (आ० प्रा०)	कोई भी लेखा दाखिल करने में असफलता
2.	—वहाँ—	—वही—	श्री वेनकामा नाडु मुद्दिनेनी, ए०जी० नगर, नैल्लोर (आंध्र प्रदेश)	—वही—

[सं० 76/अ०प्रा०/83(1-2)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 7 August, 1983

O.N. 70.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column 4 of the Table below at the election to the State Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge any account of his election expenses within the time and in the manner as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate has either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

SI No.	Particulars of election	S. No. & Name of the assembly constituency	Name of the contesting candidate	Reason for disqualification.
1	2	3	4	5
1.	General Election to Andhra Pradesh Legislative Assembly held in January, 83.	128-Atmakur	Shri Tirupalu Naidu Voduhati Setigunta Road Nellore (A.P.)	Failed to lodge the account
2.	-do-	-do-	Shri Menkama Naidu Muddineni, A.G. Nagar, Nellore (A.P.)	-do-

[No. 76/AP/83 (1-2)]

आ० अ० 71.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि निम्न सारणी के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी जिसने सारणी के स्तम्भ 2 में विहित राज्य विधान सभा के लिए उसके नाम के सामने स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुए निर्वाचन में जैसा कि उक्त सारणी के स्तम्भ 5 में दर्शाया गया है, जैसा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विनियम बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित है, अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा विहित समय के अन्दर और रीति से दाखिल करने में असफल रहा है।

और, उक्त अभ्यर्थी ने उसे सम्यक सूचना दिए जाने के बाद भी उक्त असफलता के लिए न तो कोई कारण दिया है और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया है और निर्वाचन आयोग का उसके द्वारा दिए गए आवेदनों पर यदि कोई हो तो, विचार करने के बाद, यह समाधान हो गया है कि उसके पास उक्त असफलता के लिए कोई उपयुक्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग घोषणा करता है कि निम्न सारणी के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति संसद के किसी सदन के या राज्य की विधान सभा या विधान परिषद के सदस्य चुने जाने या होने के लिए इस आदेश की तारीख से 3 वर्ष की कालावधि के लिए निर्रह किया जाता है।

सारणी

क्र० सं०	निर्वाचन का विवरण	सभा निर्वाचन-क्षेत्र की क्रम सं० तथा नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम	निराहता के कारण
1	2	3	4	5
1.	केरल विधान सभा के लिए मार्च, 1983 में हुआ उप-निर्वाचन	137-नेमम	श्री जेम्स एन्टोनी, म० सं० 1302, मोली फिशरीज, वालियाथुरा त्रिवेन्द्रम (केरल)	कोई भी लेखा दाखिल करने में असफलता
2.	—वही—	—वही—	श्री एन० आर० सुकुमारन नैयर श्रीमुक्ता विलास मेडुमन्टम इडुक्की जिला—केरल।	—वही—
3.	—वही—	—वही—	श्री नन्दावनम मुर्गालन, टी० सी० 14/578, नन्दावनम पाला-याम, त्रिवेन्द्रम, केरल	—वही—
4.	—वही—	—वही—	एडवोकेट ए० सम्बासिवर, थोप्पिल वीडु, पेडुई, त्रिवेन्द्रम, केरल	—वही—
5.	—वही—	—वही—	श्री बी० पी० शशिभूषणम नैयर थावारयाला वीडु, कोट्टुक्कल, पायाट्टुविला पी० बालारामा-पुरम (केरल)	—वही—

[सं० 76/केर/83 (148-152) उप०]

अदेश से

एम० एल० बाही, अवर सचिव

O.N. 71.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column 4 of the Table below at the election to the State Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge any account of his election expenses within the time and in the manner as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate has either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representation made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	Particulars of election	S. No. & Name of the assembly constituency	Name of the contesting candidates	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	Bye-election to Kerala Legislative Assembly held in March, 1983	137-Namom	Shri James Antony, House No. 1302, Moly Fisheries, Valia-thura, Trivandrum (Kerala)	Failure to lodge any account
2.	-do-	-do-	Shri N.R. Sukumaran Nair, Sreemuruka Vilas, Medum-kantam, Idukki District, (Kerala)	-do-

1	2	3	4	5
3.	Bye-election to Kerala Legislative Assembly held in March, 1983	137-Namom	Shri Nandavanam Susseelan, T.C. 14/758, Nandavanam, Palayam, Trivandrum, Kerala	Failure to lodge any account
4.	-do-	-do-	Advocate A. Sambasivan Thoppil Veedu, Pettah, Trivandrum, Kerala	-do-
5.	-do-	-do-	Shri B. P. Sashi Bhoosahanam Nair, Thavarathala Veedu, Kottukkal, Payattuville Post, Balaramapuram (Kerala)	-do-

(No. 76/KL/83 (148-152)/Bye)

By order,

M. L. WAHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1983

आ०अ० 72:—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 106 के अनुसरण में निर्वाचन आयोग, 1980 को निर्वाचन अर्जी सं० 10 में दिया गया उच्च न्यायालय, पटना (बिहार), की तारीख 1 जुलाई, 1983 का आदेश प्रकाशित करता है

[सं 82/बिहार/लो सं०/10 (80)/83]

धर्मवीर, प्रवर सचिव

New Delhi, the 12th August, 1983

O.N. 72.—In pursuance of section 106 of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby publishes the order dated the 1st July, 1983 of the High Court of Judicature at Patna in Election Petition No. 10 of 1980.

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA

Election Petition No. 10 of 1980

KAMAL KISHORE JHA

Versus

RAJENDRA PRASAD YADAV.

48.1.7.83 This election petition has been filed on behalf of the petitioner Kamal Kishore Jha for setting aside the election of sole respondent Rajendra Prasad Yadav relating to 21-Madhupura Parliamentary Constituency Election held on 6-1-1980 in which the results were declared on 8-1-1980.

The case was called out for hearing when Mr. S.N.P. Sharma, learned Advocate for the petitioner, submitted that he is not pressing this petition and so it should be dismissed as not pressed. Although the case was fixed for hearing on 30-6-83 but none ap-

peared on behalf of the respondents either on 30-6-83 or even today. Under such circumstances Mr. S. N. P. Sharma has been heard ex parte on behalf of the petitioner. Mr. S. N. P. Sharma has relied on the case of Dharam Singh vs. Multan Singh & others (1967 Doabia's Election Cases 245) where the learned counsel for the petitioner had submitted that he had no further instruction in the matter of prosecution of the election petition and so the election petition was dismissed for non-prosecution. This is a decision of the Punjab High Court.

Mr. S. N. P. Sharma has also relied on the case of Keshari Lal Kavi & another vs. Narain Prakash & others (A.I.R. 1969 Rajasthan 75) where it has been held that the High Court has power to dismiss on election petition on non-appearance of the election petitioner.

Mr. S. N. P. Sharma has also relied on the case of Sawalia Behari Lall Verma vs. Tribikram Deo Narain Singh and others (A.I.R. 1965 Patna 378) where it has been held that an election petition can be dismissed for default, as the provisions of the Civil Procedure Code is to be followed under section 90(1) and 92 of the Representative of the People Act, 1951. The present provision is section 87(1) of the Representative of the People Act, 1951, which shows that subject to the provisions of this Act and the rules made thereunder, every election petition shall be tried by the High Court as early as may be accordance with the procedure applicable under the Code of Civil Procedure to the trial of suits.

It appears that in Election Petition No. 8 of 1980 of this Court by order dated 2-3-1982 the election petition was dismissed for non-prosecution.

Learned Advocate for the petitioner has submitted that as he has no instruction for prosecuting the election petition, so he does not press this election petition. Under such circumstances the election petition is dismissed for non-prosecution and there shall be order as to costs. Let a copy of this order regarding dismissal of this case be sent to the

Speaker, Lok Sabha, New Delhi, and to the Secretary, Election Commission of India, Nirwahan Sadan, Ashok Road, New Delhi.

Sd/-
WAZIR AHMAD

[No. 82/BR-HP (10/80)/83]

By Order,
DHARAM VIR. Under Secy.

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1983

आ०अ० 73:—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, कर्नाटक सरकार के परामर्श से श्री आर० रविन्द्र. आई० ए० एस० के स्थान पर श्री टी० पी० इस्ट. आई० ए० एस० सरकार के सचिव, कृषि और पशुपालन विभाग को उनके कार्यभार की तारीख से अगले आदेशों तक कर्नाटक राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नाम निर्देशित करता है।

[सं० 154/कर्ना०/83]

आदेश से,
के० गणेशन, सचिव

New Delhi, the 16th August, 1983

O.N. 73.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Karnataka, hereby nominates Shri T.P. Issar, IAS, Secretary to Government, Agriculture and Animal Husbandry Deptt., as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka

with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri A. Ravindra, I.A.S.

[No. 154/Karnt. 83]

By Order,
K. GANESAN, Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1983

आ०अ० 74.—मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता की नियुक्ति के बारे में भारत के राजपत्र, भाग-II खण्ड 3 (iii) में प्रकाशित निर्वाचन आयोग की तारीख 20 जुलाई, 1983 की अधिसूचना सं० 154/प०बं०/83 में "श्री पी० के० सरकार, आई० ए० एस०, लोहा और इस्पात नियंत्रक" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे:—

"श्री पी० के० सरकार, प्रशासक, कलकत्ता निगम"।

[सं० 154/प० बं०/83]

आदेश से,
सी० एल० रोज, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 26th August, 1983

O.N. 74.—In the Election Commission's notification No. 154/WB/83, dated 20th July, 1983 published in the Gazette of India, Part II, section 3(iii), regarding the appointment of the Chief Electoral Officer, West Bengal, for the words "Shri P.K. Sarkar, IAS, Iron and Steel Controller", the following words shall be substituted :—

"Shri P. K. Sarkar, Administrator of Ccutta Corporation".

[No. 154/WB/83]

By Order,
C. L. ROSE, Under Secy.

